करुणाकर | By Chintan Trivedi

जो करुणाकर तुम्हारा ब्रज में फिर अवतार हो जाए
तो भक्तों का चमन उजड़ा हुआ गुलज़ार हो जाए

लुटाकर दिल जो बैठे हैं वो रो रोकर ये कहते हैं
किसी सूरत से सुन्दर श्याम का दीदार हो जाए
जो करुणाकर तुम्हारा ब्रज में फिर अवतार हो जाए

बजा दो रसमयी अनुराग की वो बांसुरी अपनी
के जिसकी तान का हर तन मैं पैदाकर हो जाए
जो करुणाकर तुम्हारा ब्रज में फिर अवतार हो जाए

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%81%e0%a4%a3%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%b0-by-chintan-trivedi/